7,55,5. म्रष्टार्वन्युरं वक्ताभिता र्यम् 10,53,7. 5,30,10. 7,101,4. 10,76, 6. 81, 5. VS. 5, 16. 11, 29. 16, 6. 20, 40. AV. 3, 5, 6. u. s. w. Cat. Ba. 1, 2, 5, 6. R. 2, 94, 20. KATBÁS. 8, 28. म्राभितो (Sch.: = सर्वतः) देवयजनमात्रदेश dessen Platz an allen Seiten zu einem देवपडान hinreicht Kars. Çn. 7, 1, 14. तह्माववाधमभितः (Sch. = सर्वत्र, सर्वदिनु) पुरूषस्तनाति Радв. 98, 16. म्रिनितामाचिन् P. 6, 2, 182. um — herum, mit dem acc. Sidde. K. zu P. 2,3,2. Vop. 5,7. ये देवा राष्ट्रभृतो अभितो यत्ति सूर्यम् AV.13,1,35. 3,30,6. ब्राह्मणांसी ब्रितिरात्रे न सामे सरा न पूर्णम्भितो बर्देतः हुए. 7,103,7. ता श्रमिमितो निविष्टाः Çat. Br. 2,5,4,4. Kâtı. Ça. 26,7,17. तमित श्रा-सीनाः หัยลักษ. บ.ค. 8,6,4. माला च काञ्चनी — द्विः सुग्रीवमूर्धानमभिता निपपात रू R. 4,12,16. सर्वे प्रजापतिमभित उपविशत्ति Çix. 110, 3. Ist dieses nicht das म्रभितः सांकल्ये oder कारहर्ये der ind. Lexicographen (AK. 3, 4, 32, [Col. 28,] 17. H. an. 7, 58. Med. avj. 83.)? — 6) schnell AK. H. an. MED. avj.

म्रभिताय (von तप् mit म्रभि) m. Schmerz (des Körpers und der Seele): बिराड निताप Kopfschmerz Sav. 5, 69. Sugn. 2, 312, 18. 319, 4. 376, 8. fgg. बलवान्मनसो अभितापः Vika. 40, 8. विक्तिाभितापाः adj. Kathis. 16, 121. सविस्मयः साभितापः सक्षंश्च बभूव सः 25,154.

र्म्याभताम (म्र्याभ -- ताम) adj. f. मा dunkel geröthet: धूमाभितामान्तम् Ragn. 15, 49. दृशि धूमाभिताम्रायाम् Катна́s. 14,30.

म्राभिताराजैम् (von म्राभितम् + रात्र) adv. gegen die Nacht hin Çat. Ba.

म्रभिताँ। विश्व (म्रभितम् + म्रस्यि) adj. von Knochen umgeben: तस्मादिमे म्र्यभितोऽस्थिनी चतुषी Ç.t. Br. 4,2,4,19.

क्रॅंभित्ति (3. म्र + भित्ति) f. das Nichtsplittern VS. 11, 64.

र्ग्राभर्तिताम् (von म्राभि + र्°) adv. rechtshin: पार्शं कृत्वासराज्ञृङ्गमभि-दित्तणं (Sch.: = दित्तणपृङ्गसंमुखम्) बद्माति K_{ATJ} . Ça. 6,3,26. म्र्रोभिदिति-णानाचारे। देवाना प्रसव्यं पितृणाम् KAUG. 1. 6. — Vgl. प्रद्तिणाम्

म्रभिद्र्शन (von दर्म् mit म्राम) n. das Erblicken, mit dem obj. comp.: मोषाभि M. 9,274.

र्म्याभिद्रिंद्मैं (von दम्म् im desid. mit म्रीभि) adj. seindselig, arglistig: वि-म्या इर्रोषा मेंभिरिप्स्वोई मृथा वृक्स्पतिर्वि वेवर्क्। र्रधा इव RV.2,23,18.

म्राभिद्गति (von ग्रमि + ह्रती) adv. gegen eine Botin hin: म्रभिद्गति काचिरित संदिरिंगे diesen Austrag gab Jemand der Botin Sin. D. 47, 2. म्रीभेजु (म्रीभे + जु) adj. 1) zum Himmel gerichtet, dem Licht zustrebend; häufig von den Winden RV.1,6,8. 6,51,15. 8,7,25. 10,77,3. 78, 4. von Agni 8, 64, 5. von Anbetenden 1, 47, 4. 127, 7. u. s. w. — 2) himmlisch: सिमेन्द्र राया सिम्षा रिभमिक् सं वर्जिभिः पुरुष्ट्रेन्द्रिर्भिखुभिः RV.1,53,5. (इन्ट्वः) ग्रह्मत्क्राणासः सुकृता ग्रमिखवः 134,2. 119,10. 3, 27, 1. ÇAT. BR. 1, 4, 1, 8. 9.

म्रभिहुँक् (von हुक् mit म्रभि) adj. beleidigend, feindlich, gehüssig RV. 1,122,9 (s. u. म्रह्णायाहुक्); vgl. म्रनभिहुक्

म्रभिहाकूँ (wie eben) m. Beleidigung, Verletzung: पत्नि चेंद्र वहाण् दै-ट्ये जेने अभिद्राक् मंनुष्याई्डारामिस RV.7,89,5. नामजातियक् विषामिनिद्री-क्रेण कुर्वतः M.8,271. मित्राभि R. 1,26,20. भूतेन्द्रियानभिद्रोक्त धर्मी कि परमा मतः KATHÂS. 13, 134.

म्राभिधर्म (म्राभि + धर्म) m. das obere Gesetz, die Metaphysik (bei den Buddhisten) Bunn. Intr. 563. 40. स्रीमधर्मकोश Titel eines dem Vasuban-

Otto Böhtlingk & Rudolph Roth: Sanskrit-Wörterbuch, Part 1, Petersburg 1855 பாரிய 40 83 7 5 30.40, 7.101, 4. 10,76, phu zugeschriebenen Werkes ibid. श्रीभयमेकोशाच्या ein Commentar dazu ibid. म्रभिधर्मिपिटक bildet eine der 3 Abtheilungen unter den heiligen Schriften der Buddhisten 35. 40. 41. 448. Weben, Lit. 254. 256. 267, 268

म्राभिधर्षण (von धर्ष् mit म्राभ) n. das Besessensein: रत्तः पिशाचभूतादेर-भिषङ्गः। इति मकाभारतम्। ÇKDn.

म्रिभिया (von धा mit म्रिभि) 1) adj. benennend: म्रिभिधा म्रीमि भुवनमित VS.22, 3. - 2) Name, Benennung Taik. 1, 1, 118. H. 260. SAH. D. 9, 20. 10, 1. 14, 18. 16, 19. 21. 17, 5. 6. am Ende eines adj. comp. Pańkat. 210, 3. H. 26. Vid. 165. f. म्रा Kathls. 7, 107. न्यायमते शब्द्शितः । मीमासा-मते विधिममवेतिर्विधव्यापारी भूतपदार्थः । ÇKDs.

म्रभिधातन्य (wie eben) adj. zu sagen, zu verkünden: भवताप्यकृपणा-शाएडीर्यमभिधातव्यम् Mहर्षर्तम. ५५, २४.

द्यानियान (wie eben) m. n. Sidde. K. 249, a, 9. 1) n. Bezeichnung, Benennung AK. 1,1,5,8. TRIK. 1,1,118. एतावतामर्थानामिर्मभिधानम् Nis. 1,20. 7,5.13. RV. PRât.13,7. Âçv. ÇR. 4,1. Kâtj. ÇR. 20,7, 19. ग्रिशब्दस्य वाक्तिकार्याभिधाने Sin. D. 14, 16. एकेनैव गात्रप्रत्ययेन सर्वेषा गात्राणा पर्यायेणाभिधानं भवति Р.4,1,93, Sch. Siddle К. zu Р. 2,3, 1. म्राशीर्वादा-भिधानवत् adj. M.2, 33. Name: म्रभिधानं मम माल्यवानितीदम् Катная. 7, 112. R. 3, 35, 59. Sehr häufig am Ende eines adj. comp. R. 2, 23, 15. Pańќат. 155, 5. Ніт. 26, 13. Катная. 12, 84. Vid. 224. 268. Ragh. 3, 20. f. 羽 Hir. 27, 10. Rede H. c. 81. - 2) n. Wörterbuch Vop. 26, 219.

म्रभिधानचित्तामणि (म्रभिधान + चि°) m. Titel von Немаканова's synonymischem Wörterbuche H. 1, Sch.

म्राभिधानमाला (म्रिभिधान + माला) f. Wörtersammlung H. 19, Sch. म्रभिधानर् लमाला (म्रभिधान + र्°) f. Titel von Halajudha's Wörter-

buche Colebr. Misc. Ess. II, 58. म्रभिर्यानी (von धा mit म्रभि) f. Halfter: तस्या इन्ह्री वृत्स म्रामीद्रायन्धे-भिधान्यभ्रमूर्धः AV. 8, 10, 2, 5. श्रुग्राभिधानी 4, 36, 10. 5, 14, 6. Air. Ba. 6, 35. ते माञ्जीभिर्भिधानीभिर्भिक्ता भवति ÇAT. BR. 6,3,4,26. श्रश्चाभिधानी-कृता भवत्ति सर्वता वा ब्रग्नाभिधानी मुखं परिशेते 27. ब्रग्नाभिधानीमार्त्ते 13,1,2,1.

म्रभिधायक (wie eben) adj. bezeichnend: एतेषामभिधायकानि स्तीवे स्युः Siddel. K. 250, b, 4. लिङ्गात्रानिभधायकत्वम् Кыл. zu P. (ed. Calc.) 1, 4, 3. म्राभियायिन् (wie eben) adj. 1) dass.: कार्यू: कुल्याभियायिनी AK. 3, 4, 224. — 2) sagend, sprechend: इत्याभधापिनि प्रियतमे Amar. 23. इत्याभ-धाविना Клтна̀ร. 26, 205. युक्तवाक्याभिधायिना В. 5,14,11. वाक्याभिधायी (वाच्या ?) पुरुषः पृष्ठमासाद् उच्यते Trik. 3, 1, 9. aussagend, lehrend: विरुद्धार्थाभिधायिनः । वेदाताः Рада. 20, 17.

म्रभिधावक (von धाव् mit म्रभि) adj. herbeilaufend, —eilend Jićá. 2, 234. म्राभिधार्ल (von धर्ष mit म्राभि) adj. bewältigend, beherrschend; mit dem асс.: तस्माद्राव्हाणाः पश्रृतिमधृत्तुतमः ÇAT. BR. 3, 9, 1, 12. Si..: = म्रत्यत्तं धर्षकः

म्रभिधेय (von धा mit म्रभि) 1) adj. zu bezeichnen: वर्षणाप्रतिबन्धे ५भि-धेंचे P.3,3,51, Sch. n. das zu Bezeichnende, der zu besprechende Gegenstand Sin. D. 2, 16. 15, 20. Vop. 1. म्रन्ध: स्यातिमिरे स्तीवं चतुर्होने उमियंपवत् (nach dem Geschlecht des subst. sich richtend) Med. db. 3. Vgl. वाच्य. — 2) n. Bedeutung AK.3,4,88. Siddh. K. zu P.1,1,34.